नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 02.02.2018

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आज प्रातः 08:00 से प्रारम्भ होगी। अल्पाहार व पंजीकरण के पश्चात कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र 10:30 बजे से आरम्भ होगा। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान उ0प्र0 के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो0 सदानन्द प्रसाद गुप्त जी करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, मा0 अध्यक्ष विधान सभा, उ0प्र0 **श्री हृदय नारायण दीक्षित** जी होंगे। ''स्वतंत्र भारत में हिन्दी की विकास यात्रा'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला क प्रथम दिन दो तकनीकि सत्र सम्पन्न होंगे तथा प्रथम दिन का समापन सांस्कृतिक संध्या के साथ होगा। प्रथम तकनीकि सत्र के मुख्य वक्ता डॉ0 आद्या प्रसाद द्विवेदी जी, मुख्य अतिथि प्रो0 अनन्त मिश्र जी होंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ0 कन्हैया सिंह जी करेंगे जबकि द्वितीय तकनीकि सत्र के मुख्य वक्ता डॉ0 गायत्री सिंह जी व मुख्य अतिथि प्रो0 पवन अग्रवाल जी होंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ0 वेद प्रकाश पाण्डेय जी करेंगें। कार्यक्रम प्रथम सत्र का संचालन डॉ0 अखण्ड प्रताप सिंह व द्वितीय सत्र का संचालन डॉ0 राणा प्रताप तिवारी जी व उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह जी करेंगे।

उक्त जानकारी देते हुए सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी डॉ0 राजेश शुक्ल ने कहा कि भारतीय भाषाओं को उपेक्षित कर अंग्रेजी शिक्षा रोजगार का आधार बनती गयी। भारत की आजादी के साथ जैसा सांस्कृतिक पुनर्जागरण एवं राष्ट्रीय पुनर्निर्माण होना चाहिए था, सम्भव नहीं हुआ। आजाद भारत में ब्रिटिश शिक्षा पद्धति एवं अंग्रेजी भाषा को मैकाले के मानस–पुत्रों ने महत्वपूर्ण बनाए रखा। इक्कीसवीं सदी में आज जब भारत अपने राष्ट्रीय अस्मिता एवं आत्मबोध के साथ सांस्कृतिक पुनर्जागरण के मार्ग पर चल पड़ा है, स्वभाषा विशेषकर हिन्दी को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी ही होगी। आजाद भारत में हिन्दी ने अपनी विकास यात्रा में उतार चढ़ाव देखे है। हिन्दी की विकास यात्रा एवं उसकी वर्तमान की भूमिका पर विमर्श वर्तमान युग की माँग है। अतः स्वतन्त्र भारत में हिन्दी की विकास–यात्रा विषय पर 'उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान' के सहयोग से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में कुल 9 उपशीर्षक पर विमर्श होगा। उक्त कार्यशाला में 13 विषय विशेषज्ञ सम्मिलित होंगे। शोधार्थीयो एवं शोध पत्र प्रस्तुत करने वालों का पंजीकरण प्रातः 08:30 बजे महाविद्यालय में होगा।

(डा. राजेश शुक्ल)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी